CBSE कक्षा 12 अर्थशास्त्र
पाठ - 6 प्रतिस्पर्धारहित बाज़ार
पुनरावृत्ति नोट्स

स्मरणीय बिन्दु-

- एक आम आदमी के लिए बाज़ार का तात्पर्य ऐसे स्थान विशेष से होता है, जहाँ वस्तुओं का क्रय और विक्रय होता है अर्थात् वह स्थान जहाँ लोग एकत्रित होकर वस्तुओं को खरीदते बेचते हैं।
- अर्थशास्त्र में बाज़ार से अभिप्राय उस समस्त क्षेत्र से होता हैं, जहाँ किसी वस्तु के क्रेता एवं विक्रेता स्वतन्त्र रूप से संपर्क में आते हैं और जहाँ वस्तु की कीमत, सुगमता व शीघ्रता से समान होने की प्रवृति रखती हो।
- बाज़ार के मुख्य तत्व इस प्रकार है-
  $\longrightarrow$ वस्तु जिसे बेचा और खरीदा जायेगा
  $\longrightarrow$ क्रेताओं और विक्रेताओं में स्वतन्त्र संपर्क
  $\longrightarrow$ क्षेत्र
  $\longrightarrow$ कीमत एक होने की प्रवृत्ति

बाज़ार संरचना के निर्धारक प्रवृत्ति

- **क्रेताओं व विक्रेताओं की संख्या**-यह बहुत अधिक है, अधिक है, कम है या केवल एक है।
- **वस्तु की प्रकृति**-वस्तु समरूप है या विभेदीकृत है।
- **वस्तुओं और साधनों की गतिशीलता**-वस्तुएं और साधन गतिशील हैं या स्थिर।
- **प्रवेश तथा बर्हिर्गमन की स्वतन्त्रता**-बाज़ार में निर्बाध प्रवेश तथा बर्हिर्गमन या प्रवेश तथा बहिगर्मन पर रोक टोक है।

एकाधिकार का अर्थ एवं विशेषताएँ

- यह ऐसा बाज़ार है जिसमें किसी वस्तु का एक ही विक्रेता होता है और कह ऐसा उत्पाद बनाता है, जिसका कोई निकटतम प्रतिस्थापन नहीं होता।
- भारत में रेलवे पर सरकार का एकाधिकार हैं।
- इस स्थिति में 'फर्म और उद्योग' के बीच का अन्तर समाप्त हो जाता हैं व्यक्तिगत पूर्ति और बाज़ार पूर्ति बराबर हो जाती हैं।
- **इसकी विशेषताएँ इस प्रकार हैं-**
  $\longrightarrow$ एक विक्रेता और बहुसंख्यक क्रेता
  $\longrightarrow$ फर्मों के प्रवेश पर भारी प्रतिबंध
  $\longrightarrow$ निकटतम स्थानापन्न की अनुपस्थिति
  $\longrightarrow$ कीमत पर पूर्ण नियंत्रण
  $\longrightarrow$ कीमत विभेदीकरण की संभावना

→ दीर्घकाल में भी असामान्य लाभ संभव

एकाधिकारी बाज़ार का जन्म

- सरकार द्वारा लाइसेंस या नियंत्रण
- व्यापार गुट बनाकर
- पेटेंट द्वारा
- प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता द्वारा

एकाधिकारिक प्रतियोगिता का अर्थ एवं विशेषताएँ

- इस बाज़ार में किसी वस्तु के बहुत से विक्रेता होते हैं परन्तु प्रत्येक विक्रेता का उत्पाद अन्य विक्रेताओं के उत्पाद से किसी न किसी रूप में भिन्न होता हैं।
- वस्तु को विभेदीकृत किया जाता है जिससे उत्पादक को अपने उत्पाद की कीमत पर आशिक नियंत्रण प्राप्त हो जाता है।
- उदाहरण के लिए साबुन उद्योग मसाले उद्योग, टूथपेस्ट उद्योग आदि।
- **इसकी विशेषताएँ इस प्रकार हैं-**
  → क्रेताओं और विक्रेताओं की अधिक संख्या
  → वस्तु विभेदीकरण
  → गैर कीमत प्रतियोगिता
  → प्रवेश तथा बर्हिर्गमन की स्वतन्त्रता
  → पूर्ण ज्ञान का अभाव
  → बिक्री लागतों की उपस्थिति

अल्पाधिकार का अर्थ एवं विशेषताएँ

- यह बाज़ार का वह रूप है जिसमें वस्तु के कुछ ही बड़े विक्रेता और बड़ी संख्या में क्रेता होते हैं, जो एक दूसरे के उत्पाद के निकटतम प्रतिस्थापन का उत्पादन करते हैं। जिसके परिणामस्वरूप प्रत्येक विक्रेता के पास बाज़ार माँग का एक बड़ा हिस्सा होता हैं।
- प्रत्येक विक्रेता का निर्णय अन्य विक्रेताओं को प्रभावित करता है। अतः विक्रेताओं के बीच अन्तनिर्भरता बहुत होती है।
- इस बाज़ार में गहन या कठोर प्रतियोगिता पाई जाती हैं। अल्प स्तर पर बिक्री लागतें भी खर्च की जाती हैं।
- भारत में कार उद्योग, कम्प्यूटर उद्योग, साफ्टड्रिंक में अल्पाधिकार के लक्षण दिखाई देते हैं।
- **अल्पाधिकार की विशेषताएँ इस प्रकार हैं-**
  → विक्रेताओं की छोटी संख्या जो बड़े स्तर पर कार्यरत
  → अन्तर्निभरता का उच्च स्तर
  → फर्म के मांग वक्र के निर्धारण में कठिनाई
  → व्यापार गुटों का निर्माण

→ प्रवेश में बाधाएँ
→ गैर-कीमत प्रतियोगिता

- **अल्पाधिकार बाज़ार के प्रकार**
    - गठबंधन के आधार पर
        - गठबंधन या सहयोगी अल्पाधिकार
        - गैर-गठबंधन या गैर सहयोगी अल्पाधिकार
    - उत्पाद के आधार पर
        - पूर्ण अल्पाधिकार
        - अपूर्ण अल्पाधिकार

अल्पाधिकार को निम्न भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है

1. **सहयोगी अल्पाधिकार:** अल्पाधिकार का वह रूप जिसमें सभी फर्म आपसी सहयोग क आधार पर उत्पादन की मात्रा तथा कीमत निर्धारित करती है।
2. **असहयोगी अल्पाधिकार:** अल्पाधिकार का वह रूप जिसमें कीमत तथा उत्पाद को मात्रा निर्धारित करते समय फमो को बीच सहयोगी व्यवहार की अपेक्षा प्रतियोगी व्यवहार होता है तथा प्रत्येक फर्म अपनी प्रतियोगी फमों की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखती है।
3. पूर्ण अल्पाधिकार में सभी फमें सजातीय वस्तुओं का उत्पादन करती है तथा अपूर्ण अल्पाधिकार में विजातीय वस्तुओं का।

बाज़ार के विभिन्न रूपों में तुलनात्मक अध्ययन

आधार	पूर्ण प्रतियोगिता	एकाधिकारिक प्रतियोगिता	अल्पाधिकार	एकाधिकार
1. विक्रेताओं की संख्या	बहुत अधिक	अधिक	कम	एक
2. वस्तु की प्रकृति	समरूप	विभेदीकृत	समरूप या विभेदीकृत	सबसे अलग जिसका कोई निकटम प्रतिस्थापन नहीं
3. फर्मों का प्रवेश	पूर्ण स्वतंत्रता	निरपेक्ष स्वतंत्रता	प्रवेश कठिन	प्रवेश असंभव
4. बाज़ार का ज्ञान	पूर्ण ज्ञान	अपूर्ण ज्ञान	अपूर्ण ज्ञान	अपूर्ण ज्ञान
5. कीमत	एक समान (प्रत्येक फर्म कीमत स्वीकारक)	कीमत पर आंशिक नियंत्रण	अंतर्निभरता	कीमत निर्धारक तथा कीमत विभेद के कारण विभिन्न कीमत

6. साधनों की गतिशीलता	पूर्ण	अपूर्ण	अपूर्ण	अपूर्ण
7. फर्म का माँग वक्र	पूर्णतया लोचदार (क्षैतिज सरल रेखा)	लोचदार (नीचे की ओर झुका हुआ)	ज्ञात नहीं	बेलोचदार (नीचे की ओर ढाल वाला)
8. बिक्री लागतें	अनुपस्थित	उपस्थित	उच्च स्तर पर उपस्थित गला-काट प्रतियोगिता	केवल सूचनात्मक
9. माँग वक्र	$ED_P = \infty$	$ED_P = 1$	$ED_P > 1$	$ED_P < 1$
10. AR तथा MR	AR = MR	AR > MR	AR > MR	AR = MR
11. दीर्घकाल में लाभस्तर	AR = AC केवल सामान्य लाभ	AR = AC केवल सामान्य लाभ	-	AR > AC असामान्य लाभ